

• संस्कृती पूर्वी का धनते कितना है।

→ ५.५

संस्कृती पूर्वी का ज्ञासन धनते ५.५२ है। पूर्वी की आकृ  
५.६ लिखियन क्षम है।

• मोहरोविसेष असात्त्व कहा है लियत रखते हैं।

→ पर्पटी और मैटल के महय

शु-प्रल एवं मैटल के सम्पर्क दृष्टि में P. तरंगों का वर्ग  
६.७ Km/s से बढ़कर ७.१ से ८.१ Km/s तक चालते हैं।  
इस असमिक्षता के माहा असमिक्षता कहा जाता है।

• इस विद्वान ने इस्ट के नीचे पूर्वी के डोंटरिङ आग  
में तीन परतों चर्चा लियाल, सीमा, निर्माण की पहचान  
की।

→ इसके अनुसार

• इन्हें उन अनुसार पूर्वी की ऊपरी परत कहते हैं।

→ सियाल (Sial)

• शु-गोली एवं शु-गोलीय के अंतराल्कीय शब्द की  
अनुसार शुपर्ल की अस्तित्व स्थापित है।

→ ३० Km

• मोहरोविसेष असंत्ता लिखियन के एक और  
सीमा का निर्माण उठती है।

→ इस्ट तथा ऊपरी मैटल।

• पृथक की ओटेटिक आण में उल्मा के बान एवं तुरंत कारण क्या है?

→ रेडियो स्ट्रिय पदार्थ तथा वास्तव बाल का नापीय ऊपरी में परिवर्तन

• दुर्बलता मैटल (asthenosphere) क्यों स्थित है?

→ ऊपरी मैटल के लिए ऊपर

• गुगरी के अंदर पिघला हुआ पदार्थ कहलाता है?

→ मैटमा

• पृथक की ओटेटिक परत निक्षे के निर्माण में क्या लक्षणों की प्रधानता होती है?

→ निक्षेएं एवं लोडा।

• पृथक की माह्योभिक परत सीमा में क्या दबाव क्षमता होती है?

→ स्लिपिंग एवं मैटनिश्चयम्

• पृथक की ऊपरी परत सीमा में क्या दबाव क्षमता होती है?

→ स्लिपिंग एवं उल्युभिनिशम्

• क्लोइ विकेंडिटा निर्माणित एवं इसके महाय पाइ भाव हैं?

→ ऊपरी छहर एवं निचली छहर के महाय

पाइ विकेंडिटा - छहर तथा गेटल के बीच

रूपरेखा विकेंडिटा - ३० मीटर के निचली भित्ति के बीच

शुट्टेवर्गी विकेंडिटा - मेटल के लोड के बीच

शेषी ०० विकेंडिटा उत्तराधीन लोड के निचली लोड के बीच